पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के निधन पर दुःख व्यक्त किया

लखनऊः 13 अगस्त, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि स्वर्गीय सोमनाथ चटर्जी संसदीय परम्परा के एक प्रतिष्ठित ज्ञाता थे। सभी राजनैतिक दलों से उनके स्नहेपूर्ण संबंध थे। लोकसभा अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने कई स्वस्थ परम्पराओं की नींव डाली। अंग्रेजी भाषा पर उन्हें अधिकार था तथा अपने तर्कपूर्ण वक्तव्य से किसी को भी सहमत कर लेते थे। उन्हें कानून का भी अच्छा ज्ञान था। राज्यपाल ने कहा कि स्व0 चटर्जी एक कुशल राजनैतिक के साथ अच्छे इंसान भी थे।

राज्यपाल ने उनके साथ लोकसभा में बिताये हुए दिनों को याद करते हुए बताया कि 'जब 1994 में मुझे कैंसर हुआ था तो उनसे मिलने गया था। उस समय सोमनाथ जी रेलवे कन्वेंशन कमेटी के अध्यक्ष थे और मैं उसका सदस्य था। उसके बाद मेरी बीमारी में लगातार पत्र और फोन के माध्यम से वे मेरी कुशल-क्षेम व स्वास्थ्य लाभ की जानकारी लेते रहे। दो वर्ष पूर्व अंडमान दौरे पर जाते हुए सोमनाथ जी से मिलने उनके घर गया था। बड़े भावुक होकर मिले थे।' उन्होंने कहा कि उनके निधन से राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया।

श्री नाईक ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए दुःखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

अंजुम/ललित/राजभवन (307/14)